अप्रैल 2025/भाग-3/अंक 01

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका

अनुक्रमणिका

1. डिज़ाइन नवाचार में उत्कृष्टता की नई पहचान....................................02
2. निफ्ट गांधीनगर: पारंपरिक शिल्प को सशक्त करने की नई दिशा...............03
3. निफ्ट गांधीनगर: पाठ्यक्रम पुनर्गठन एवं उद्योग फीडबैक बैठक................05
4. सिरेमिक की संवेदना : एक रचनात्मक अनुभव....................................08
5. मेकिंग सेंस ऑफ ओरिगामी...09
6. गरबा की रचना में रचना: वैकल्पिक जनरल इलेक्टिव का मूल्यांकन...........10
7. मेकिंग सेंस ऑफ़ कैलिग्राफी : एक अभिव्यक्तिपूर्ण अभ्यास......................11

डिज़ाइन नवाचार में उत्कृष्टता की नई पहचान

Sparkling Saga 2024 की विजेता बनीं NIFT गांधीनगर की संस्कृति श्रीवास्तव:

रचनात्मकता जब सौंदर्यबोध से मिलती है, तो वह केवल डिज़ाइन नहीं रहती — वह एक अनुभव बन जाती है। NIFT गांधीनगर की फैशन एवं लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ विभाग की छात्रा, संस्कृति श्रीवास्तव (बैच 2021–25) ने यही कर दिखाया। प्रतिष्ठित Sparkling Saga 2024, जो कि Shine Eternal द्वारा आयोजित एक आभूषण डिज़ाइन प्रतियोगिता है, में उन्होंने अपनी कलात्मक दृष्टि और बारीक संवेदना से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उनका डिज़ाइन संग्रह, जो पियोनी पुष्प से प्रेरित था, केवल एक ज्वेलरी लाइन नहीं, बल्कि नारी सौंदर्य, कोमलता और शालीनता की एक संवेदनशील प्रस्तुति थी। डेमी-फाइन ज्वेलरी की इस श्रृंखला ने पारंपरिक विलासिता को समकालीन अभिव्यक्ति में ढालते हुए पहनने योग्य कला का नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके कार्य में न केवल डिज़ाइन की गहराई थी, बल्कि एक स्पष्ट दृष्टिकोण और सौंदर्यशास्त्र की परिपक्वता भी झलकती थी।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्कृति को Sparkling Saga 2024 की विजेता घोषित किया गया और उन्हें पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। यह जीत केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि उनकी रचनात्मक सोच, परिश्रम और दृष्टि की स्वीकार्यता है। साथ ही, यह NIFT गांधीनगर के लिए भी गर्व का क्षण है, जिसने एक और बार यह सिद्ध किया कि यहां से निकली प्रतिभाएं देश और दुनिया के डिज़ाइन मंचों पर अपनी छाप छोड़ रही हैं।

संस्कृति की यह उपलब्धि उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है जो कला को सिर्फ हुनर नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी और अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

निफ्ट गांधीनगर: पारंपरिक शिल्प को सशक्त करने की नई दिशा

माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह से अहम बैठक

एनआईएफटी गांधीनगर के फैकल्टी सदस्य एवं अधिकारी अहमदाबाद में केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह से मिले और गुजरात के हस्तशिल्प को सशक्त करने के लिए आधुनिक डिज़ाइन, नवाचार और नीतिगत समर्थन पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। सबसे पहले, शिल्पकारों को डिज़ाइन और तकनीक से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया, ताकि परंपरागत हस्तशिल्प को डिज़ाइन नवाचार, डिजिटल पहुंच और बाज़ार रणनीति के माध्यम से एक नया आयाम दिया जा सके। इसके अलावा, आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से एनआईएफटी छात्रों के लिए एक विशेष रिफ्रेशर कोर्स प्रस्तावित किया गया, जिसका उद्देश्य उनके विपणन और प्रबंधन कौशल को उन्नत करना है, ताकि वे उद्यमशीलता और प्रतिस्पर्धी उद्योग में सफलता पूर्वक प्रवेश कर सकें। अंत में, प्लेसमेंट और इंडस्ट्री सहयोग को सशक्त बनाने हेतु स्टार्टअप्स, उद्योग सहभागिता और शिल्प उन्मुख नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक उपायों पर भी चर्चा की गई।

निफ्ट गांधीनगर: पारंपरिक शिल्प को सशक्त करने की नई दिशा

आगे की दिशा को दृष्टिगत रखते हुए, निफ्ट गांधीनगर भारतीय वस्त्र और हस्तशिल्प उद्योग को मजबूत करने के लिए अनेक पहलुओं पर केंद्रित प्रयास कर रहा है। इनमें सस्टेनेबल (सतत) डिज़ाइन को बढ़ावा देना, आधुनिक तकनीकों का हस्तशिल्प और फैशन उद्योग में समावेश (इंटीग्रेशन) करना, तथा उद्योग जगत के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित करना प्रमुख हैं। यह पहल न केवल पारंपरिक शिल्पों को समकालीन बाज़ार की मांगों के अनुरूप ढालने में सहायक होगी, बल्कि इससे शिल्पकारों को व्यापक प्लेटफ़ॉर्म और पहचान भी मिलेगी। साथ ही, विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार की समझ और उद्योग से सीधे जुड़ने के अवसर मिलेंगे, जो उनके करियर को एक नई दिशा देंगे। इन प्रयासों से उद्यमशीलता को भी बल मिलेगा, जिससे देश के फैशन और टेक्सटाइल सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सकेगी।

निफ्ट गांधीनगर: पाठ्यक्रम पुनर्गठन एवं उद्योग फीडबैक बैठक

शिक्षा, कौशल विकास और इंडस्ट्री-समर्थित नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

निफ्ट गांधीनगर में पाठ्यक्रम पुनर्गठन एवं उद्योग फीडबैक बैठक का आयोजन एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल के रूप में संपन्न हुआ। इस बैठक में अकादमिक विशेषज्ञों, फैकल्टी सदस्यों और विभिन्न उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक का मूल उद्देश्य पाठ्यक्रम की संरचना को उद्योग की नवीनतम आवश्यकताओं और वैश्विक रुझानों के अनुरूप उन्नत बनाना था, ताकि विद्यार्थियों को भावी करियर अवसरों के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सके।

इस अवसर पर निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने संस्थान की दूरदर्शिता और समकालीन उद्योग की मांगों के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि फैशन और टेक्सटाइल शिक्षा को केवल अकादमिक नहीं बल्कि व्यावहारिक और नवोन्मेषी भी होना चाहिए, जिससे छात्र उद्योग में बेहतर योगदान दे सकें।

निफ्ट गांधीनगर: पाठ्यक्रम पुनर्गठन एवं उद्योग फीडबैक बैठक

बैठक के दौरान अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। इसमें प्रमुख रूप से ऐसे उद्योग-अनुकूल पाठ्यक्रम परिवर्तनों पर जोर दिया गया, जो विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों, डिज़ाइन सॉफ्टवेयर और व्यावसायिक कौशलों से परिचित करा सकें। साथ ही, इंटर्नशिप और लाइव प्रोजेक्ट्स को पाठ्यक्रम में अधिक प्रभावी रूप से समाहित करने पर विचार किया गया, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभव मिल सके। उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यशालाएं और वैकल्पिक पाठ्यक्रम विकसित करने के सुझाव भी सामने आए। इसके अतिरिक्त, प्लेसमेंट की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ व उद्योग केंद्रित बनाने हेतु रणनीतियाँ प्रस्तुत की गईं।

यह बैठक शिक्षा और उद्योग के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रही है। फैशन, वस्त्र प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और उद्यमिता से जुड़े विषयों पर केंद्रित इस संवाद में उद्योग विशेषज्ञों ने मौजूदा पाठ्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए, जिससे शैक्षणिक ढांचे में व्यावहारिक दक्षताओं को समाविष्ट किया जा सके।

निफ्ट गांधीनगर: पाठ्यक्रम पुनर्गठन एवं उद्योग फीडबैक बैठक

निफ्ट गांधीनगर ने इस बैठक के माध्यम से इंडस्ट्री-समर्थित शिक्षा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक दृढ़ किया है। संस्थान का प्रयास है कि फैशन और टेक्सटाइल उद्योग में नवाचार, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता को साथ लेकर विद्यार्थियों के लिए एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण का निर्माण किया जाए, जो उन्हें वैश्विक स्तर पर सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाए।

सिरेमिक की संवेदना : एक रचनात्मक अनुभव

जनरल इलेक्टिव मूल्यांकन निफ्ट गांधीनगर

"मेकिन्ग सेंस ऑफ सिरेमिक्स" जनरल इलेक्टिव पाठ्यक्रम के मूल्यांकन सत्र में छात्रों ने सिरेमिक कला के माध्यम से संवेदना, सांस्कृतिक प्रतीक और रूपात्मक अभिव्यक्ति को प्रस्तुत किया।

इस सत्र में बनी कृतियाँ — विशेषकर पुष्पों और प्रतीकात्मक आकारों से सजी सिरेमिक मूर्तियाँ — यह दर्शाती हैं कि निफ्ट गांधीनगर में डिज़ाइन शिक्षा केवल तकनीकी नहीं, बल्कि अनुभवपरक और सौंदर्यपरक दृष्टिकोण से भी समृद्ध है।

यह सत्र छात्रों के लिए हस्तकला, रूपांतरण और अर्थ की समझ को गहराई से अनुभव करने का सशक्त अवसर रहा।

मेकिंग सेंस ऑफ ओरिगामी

निफ्ट गांधीनगर में वैकल्पिक पाठ्यक्रम मूल्यांकन

"मेकिंग सेंस ऑफ ओरिगामी" जनरल इलेक्टिव का मूल्यांकन सत्र निफ्ट गांधीनगर में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। छात्रों ने कागज़ के माध्यम से रूप, संरचना और विचार की अभिव्यक्ति करते हुए पारंपरिक ओरिगामी को समकालीन सोच से जोड़ने का सफल प्रयास किया।

इस अवसर पर निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। उन्होंने प्रस्तुतियों में सटीकता और सौंदर्यबोध की सराहना की।

यह सत्र छात्रों के लिए तकनीक, आत्म-अभिव्यक्ति और स्थायित्व को जोड़ने वाला एक अनुभवात्मक मंच सिद्ध हुआ।

गरबा की रचना में रचना: वैकल्पिक जनरल इलेक्टिव का मूल्यांकन

निफ्ट गांधीनगर फोक डांस ऑफ गुजरात – गरबा

निफ्ट गांधीनगर में वैकल्पिक जनरल इलेक्टिव "फोक डांस ऑफ गुजरात – गरबा" का मूल्यांकन सत्र पारंपरिक उत्सव, सांस्कृतिक अन्वेषण और रचनात्मक प्रस्तुति का संगम रहा। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने गरबा की मूल लय, मुद्राओं, पारंपरिक वेषभूषा और भावों का गहन अभ्यास किया।

मूल्यांकन के दौरान छात्रों ने एक समूह नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से सांस्कृतिक समझ, लयबद्ध संयोजन और सौंदर्य अभिव्यक्ति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस प्रक्रिया ने उन्हें केवल शारीरिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोक संस्कृति की गहराई, अनुशासन और सामूहिक ऊर्जा को महसूस करने का अवसर दिया।

यह पाठ्यक्रम छात्रों के लिए लोकनृत्य के माध्यम से समाज, परंपरा और डिजाइन-संवेदना को आत्मसात करने का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ।

मेकिंग सेंस ऑफ़ कैलिग्राफी : एक अभिव्यक्तिपूर्ण अभ्यास

निफ्ट गांधीनगर वैकल्पिक जनरल इलेक्टिव मूल्यांकन

निफ्ट गांधीनगर में आयोजित जनरल इलेक्टिव "मेकिंग सेंस ऑफ़ कैलिग्राफी" का मूल्यांकन सत्र दृश्य भाषा, रेखाओं की लय और शब्दों की सौंदर्यपूर्ण शक्ति का उत्सव बन गया। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने लेखन को केवल अभिलेख नहीं, बल्कि रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक संवेदना के रूप में समझा।

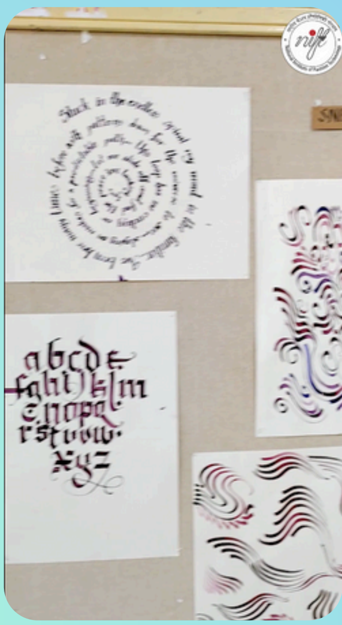

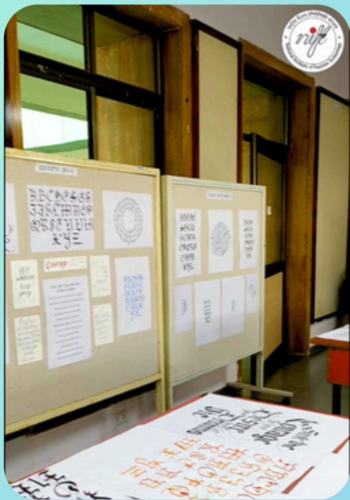

मूल्यांकन सत्र में विद्यार्थियों ने पारंपरिक और समकालीन शैलियों में देवनागरी, रोमन एवं क्षेत्रीय लिपियों का अभ्यास करते हुए, रचना, संरचना और अभिप्राय की सुंदर प्रस्तुति दी। पेन, ब्रश और डिज़ाइन टूल्स के प्रयोग ने कार्यों को दृश्य रूप से समृद्ध किया।

छात्रों ने अपनी व्यक्तिगत शैली और प्रयोगधर्मिता के साथ संदेश-आधारित रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिनमें सौंदर्यशास्त्र, अनुशासन और वैचारिक स्पष्टता का सुंदर समागम दिखाई दिया। यह सत्र उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग और ग्राफिक संवेदनशीलता से जोड़ने में सहायक रहा।

यह पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रक्रिया डिज़ाइन शिक्षा को भाषा, कला और आत्म-अभिव्यक्ति से जोड़ने वाला एक उत्कृष्ट उदाहरण बनी।

राजभाषा अनुभाग

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार